

गरवी गुजरात

PRGI No. UPHIN/25/A1697

# गरवी गुजरात

PUBLISHED HINDI DAILY FROM LUCKNOW, AHMEDABAD, SURAT

वर्ष : 02
अंक : 195
दि. 16.11.2026,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा
LUACKNOW EDITION


## पाकिस्तान भीगी बिल्ली बन गया, ये यूपी में बने ब्रह्मोस मिसाइल की ताकत थी: सीएम योगी आदित्यनाथ

**यूपी भर के 25 लाख युवाओं को योगी सरकार टैबलेट बांट रही है। लखनऊ में इस योजना का शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। इस मौके पर उन्होंने पहले की सपा सरकार पर निशाना साधा। योगी ने कहा कि पहले चाचा और भतीजे की जोड़ी वसूली पर निकल पड़ती थी।**

(जीएनएस)।

लखनऊः यूपी में अगले साल की शुरूआत में होने विधानसभा चुनाव से पहले योगी सरकार ने 25 लाख युवाओं को टैबलेट देने की योजना का शुभारंभ कर दिया है। रविवार को लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना के तहत छात्र/छात्राओं को टैबलेट सौंपे। राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर आयोजित समारोह में सीएम योगी ने कहा कि वह खुद सबसे मिलकर टैबलेट देना चाहते थे पर 25 लाख लोगों को टैबलेट देने में कई दिन लग जाएंगे। वह सभी के साथ सेल्फी लेना चाहते थे। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने पाकिस्तान को भीगी बिल्ली करार दिया।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा – मुझे याद है जब ऑपरेशन सिंदूर होने जा रहा था। इससे ठीक पहले हमने लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल में जमीन दी थी। वहां पर ब्रह्मोस मिसाइल बननी शुरू हुई। हमने डीआरडीओ से कहा कि हम आपको जमीन फ्री में देंगे इस शर्त पर कि यहां जो भी नौकरी मिलेगी वह यूपी के युवाओं को मिलेगी। डीआरडीओ ने यूपी के 500 युवाओं को नौकरी दी है। ब्रह्मोस मिसाइल ने पाकिस्तान का पूरा एयरपोर्ट ध्वस्त कर दिया। हमारे मिसाइल के वार से पाकिस्तान भीगी बिल्ली बन गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारे जवानों ने भारत को विजयश्री प्रदान करा दी।

**'पहले चाचा-भतीजे वसूली पर निकल जाते थे'**

सीएम योगी ने पूर्ववर्ती सपा सरकार पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले अगर कहीं कोई नौकरी निकलती थी तो चाचा और भतीजा वसूली के लिए निकल पड़ते थे। अब नौकरी के लिए कोई सिफारिश नहीं करनी पड़ती है और न ही रिश्वत देनी पड़ती है। हमने युवाओं के सामने से पहचान का संकट खत्म किया है।



**'सपा सरकार ने मुन्ना भाई पैदा किए'**

बीते नौ सालों में यूपी की पहचान बदली है। यूपी में अब ब्रह्मोस मिसाइल का निर्माण होता है। कानपुर में राइफल बनता है। माफिया जिस जमीन पर कब्जा करना चाहता था वहां पर हमने फोरेंसिक इंस्टीट्यूट बनाया है। वहां मैंने बुलडोजर भेज दिया तो माफिया भाग गया। सपा सरकार ने नौकरियां नहीं दी पर मुन्ना भाई जरूर पैदा किए। पहले यही होता था कि परीक्षा कोई देता था और डिग्री कोई और ले जाता था।

**2021 से चल रही ये योजना**

लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में 50 हजार युवाओं को टैबलेट बांटे गए। यहां लखनऊ के अलावा उन्नाव, सीतापुर और हरदोई से बच्चे आए थे। 2021 में शुरू हुई इस योजना के तहत इस चरण के पूरा होने के बाद टैबलेट और स्मार्टफोन पाने वाले युवाओं की संख्या 85 लाख पहुंच जाएगी।

## मेरठ से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ऐलान-वीरता पदक विजेताओं की पुरस्कार राशि और वार्षिकी होगी दोगुनी

(जीएनएस)।

मेरठः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को मेरठ में पूर्व सैनिकों के लिए तीन बड़ी घोषणाएं कीं. उन्होंने वीरता पुरस्कार विजेताओं को मिलने वाली एकमुश्त पुरस्कार राशि और वार्षिकी दोगुनी करने का ऐलान किया. इसके अलावा पूर्व सैनिकों और शहीद सैनिकों के आश्रितों को मकान खरीदने पर स्टांप शुल्क में छूट की सीमा 20 लाख से बढ़ाकर 50 लाख रुपये करने और शहीद के एक आश्रित को उसके गृह जिले या पास के जिले में सरकारी नौकरी देने की घोषणा की.

पूर्व सैनिक पुनर्मिलन समारोह में मुख्यमंत्री ने 27.50 करोड़ रुपये की लागत से आठ जिलों में बने सैनिक कल्याण कार्यालयों का लोकार्पण भी किया. उन्होंने कहा कि सैनिक कभी सेवानिवृत्त नहीं होता, उसकी वर्दी बदलती है, लेकिन देशभक्ति और राष्ट्रसेवा का संकल्प नहीं. मुख्यमंत्री के मुताबिक, प्रदेश में 2,685 सैनिकों ने देश की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया है और 2,000 से अधिक जवानों को शौर्य पदक मिले हैं.



योगी ने बताया कि अब तक 150 शहीद परिवारों को 59.50 करोड़ रुपये की सहायता दी गई है और 2018 से शहीदों के आश्रितों को सरकारी नौकरी देने की व्यवस्था लागू है. सैनिक कल्याण निगम के जरिए करीब 31,700 पूर्व सैनिकों को रोजगार मिला है. उन्होंने कहा कि लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल का निर्माण हो रहा है, जबकि एके-203 राइफल के ज्यादातर पुर्जे लखनऊ और कानपुर में बनाए जा रहे हैं. मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर सैन्य अभियानों और जवानों के शौर्य पर सवाल उठाने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आतंकी हमले करने वालों को जवाब दिया जा रहा है. कार्यक्रम में शहीद परिवारों, वीर नारियों और पूर्व सैनिकों को सम्मानित भी किया गया.

## प्रधानमंत्री ने छठ महापर्व के संध्या अर्घ्य पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज छठ महापर्व के संध्या अर्घ्य के अवसर पर देश भर के सभी नागरिकों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

प्रधानमंत्री ने कामना की कि प्रकृति पूजा के प्रति समर्पित यह पवित्र अवसर समाज में सद्भाव और सामाजिक एकजुटता को और गहरा करते हुए सभी में नई चेतना और जीवन शक्ति लाए। उन्होंने प्रार्थना करते हुए कहा कि सूर्यदेव की कृपा से सभी का जीवन प्रकाशमय हो, उन्होंने छठी मैया को नमन किया।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर साझा कियाः 'सभी देशवासियों को महापर्व छठ के संध्या अर्घ्य की अनेकानेक शुभकामनाएं।' प्रकृति-पूजन को समर्पित यह पावन अवसर हर किसी के लिए नई चेतना और स्फूर्ति लेकर आए।

## प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गरीबी उन्मूलन और नक्सलवाद के अंत को देश की बड़ी उपलब्धि बताया

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि 15 नवंबर 2021 को जनजातीय गौरव दिवस शुरू होने के बाद से यह दिवस राष्ट्रीय उत्सव बन गया है। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में विडियो कॉन्फ्रेंसिग के जरिए अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि एक समय था जब देश के पर्व और दिवस विदेशी दृष्टिकोण से जाने जाते थे लेकिन अब भारत स्वाभिमान की भावना के साथ अपनी विरासत, अपने इतिहास और अपने नायकों को याद करता है। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रीय चेतना में एक प्रमुख बदलाव का परिचायक है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा देश की दो प्रमुख उपलब्धियों की चर्चा चारों ओर होती है। उन्होंने कहा कि पहली उपलब्धि 50 करोड़ लोगों को अत्याधिक गरीबी से बाहर लाना तथा दूसरी उपलब्धि देश को नक्लसवाद और माओवादी आतंक से मुक्त कराना है।




प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार उन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दे रही है जो लंबे समय से विकास की दौड में पिछड़े हुए थे। उन्होंने कहा कि देश में एक सौ आकांक्षी जिलों और पांच सौ आकांक्षी विकास खंडों के लिए विशेष अभियान शुरू किए गए है। श्री मोदी ने कहा कि इनमें से अधिकतर क्षेत्रों में प्रमुख रूप से जनजातीय लोगों का निवास है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री कृषि धन धान्य योजना के अंतर्गत कृषि क्षेत्र में सबसे पिछड़े एक सौ जिलों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णविस और केन्द्रीय जनजातीय कार्यमंत्री जुएल ओराम ने भी सभा को संबोधित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ जनजातीय लाभार्थियों से बातचीत की।

समारोह के दौरान प्रधानमंत्री ने करीब तीन हजार करोड़ रुपए की 246 विकास परियोजनाओं का लोकापर्ण और शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं का उद्देश्य देशभर के जनजातीय समुदायों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, आजीविका और सामुदायिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है।

## रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक लक्ष्य नहीं, रणनीतिक जरूरत भी : राजनाथ सिंह

(जीएनएस)।

नई दिल्ली, रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक लक्ष्य नहीं, बल्कि रणनीतिक जरूरत भी है। यह बात रविवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कही। उन्होंने कहा कि भारत ने मिसाइल विकास, नौसैनिक प्लेटफॉर्म, एयरोस्पेस इंजीनियरिंग, रडार प्रणालियों और अंतरिक्ष अनुप्रयोगों के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। ये उपलब्धियां देश के वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, उत्पादन एजेंसियों और उद्योग जगत की बढ़ती तकनीकी क्षमता को दशार्ती हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह गैर-विनाशकारी मूल्यांकन एवं सहायक तकनीकों पर आयोजित 36वें वार्षिक सम्मेलन और एयरोस्पेस क्षेत्र से जुड़ी अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत के रक्षा तंत्र में जैसे-जैसे आधुनिक और जटिल प्रणालियां शामिल हो रही हैं, वैसे-वैसे उनकी गुणवत्ता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करना भी बेहद जरूरी हो गया है। प्रत्येक महत्वपूर्ण सामग्री, कलपुर्जे, संयोजन और निर्माण प्रक्रिया को गुणवत्ता के सर्वोच्च मानकों पर खरा उतरना चाहिए। रक्षा मंत्री ने कहा कि किसी भी देश की प्रगति केवल इस बात से तय नहीं होती कि उसने कौन-सी तकनीक विकसित की है, बल्कि यह भी महत्वपूर्ण है कि उस तकनीक से तैयार प्रणालियां कितनी गुणवत्तापूर्ण, भरोसेमंद और सुरक्षित हैं। रक्षा जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में इसका महत्व और बढ़ जाता है, क्योंकि यहां किसी भी तरह की चूक के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि गुणवत्ता केवल निर्माण प्रक्रिया की एक औपचारिक जरूरत नहीं है, बल्कि यह सैन्य अभियानों की विश्वसनीयता और राष्ट्रीय सुरक्षा का अहम आधार है।



उन्होंने कहा कि इसी संदर्भ में गैर-विनाशकारी परीक्षण और मूल्यांकन तकनीकों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। इन तकनीकों की मदद से किसी सामग्री, कलपुर्जे या संरचना को बिना नुकसान पहुंचाए उसकी मजबूती और आंतरिक स्थिति की जांच की जा सकती है। इससे निर्माण के दौरान ही संभावित खामियों का पता लगाना और उपकरणों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना संभव होता है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि अब जरूरत केवल खामियों की पहचान करने तक सीमित रहने की नहीं है, बल्कि ऐसी कार्यसंस्कृति विकसित करने की है, जिसमें खामियों को पैदा होने से ही रोका जा सके। इसके लिए निर्माण प्रक्रिया के हर चरण में गुणवत्ता को शामिल करना होगा। उन्होंने कहा कि भारत के रक्षा क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए कई व्यवस्थाएं और संस्थागत तंत्र विकसित किए गए हैं, जो नए विचारों और तकनीकी विकास को प्रोत्साहित कर रहे हैं।

रक्षा मंत्री ने गैर-विनाशकारी मूल्यांकन के क्षेत्र में हो रहे तकनीकी बदलावों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि एआई, मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स, उन्नत सेंसर, डिजिटल ट्विन और पूर्वानुमान विश्लेषण जैसी तकनीकें जांच और संरचनाओं की स्थिति की निगरानी के नए रास्ते खोल रही हैं। इनकी मदद से जांच की गति और सटीकता बढ़ाई जा सकती है।

## नक्सल-मुक्त गड़चिरोली से स्टील हब तक...सीएम फडणवीस ने पीएम मोदी के सामने पेश किया विकास का रोडमैप

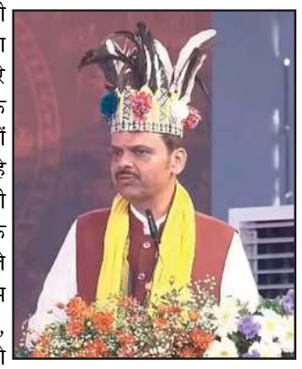
**महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गड़चिरोली में राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस के समारोह में कहा कि जिला अब 100 प्रतिशत नक्सलमुक्त हो चुका है।**

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गड़चिरोली जिला नक्सलवाद और माओवाद से मुक्त हो चुका है।

फडणवीस ने कहा कि गड़चिरोली को देश की स्टील सिटी के रूप में विकसित किया जाएगा। जिले को विकास का इंजन बनाने की तैयारी है।

15 नवंबर को गड़चिरोली के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस का मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। आदिवासी और जनजातीय समाज का एक उज्ज्वल इतिहास है, एक समृद्ध संस्कृति है। जब भी इस देश पर हमला हुआ है, हमारे आदिवासी नायक उनसे लड़ने वालों में सबसे आगे रहे हैं। लेकिन ये सभी आदिवासी नायक गुमनामी में चले गए, उनका इतिहास दबा दिया गया, उनके योगदान को छिपा दिया गया। हालांकि, जब नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने, तो उन्होंने अपने नेतृत्व में इन सभी आदिवासी कमांडरों के कामों और वीरता को समाज के सामने लाने का फैसला किया।



आज इतिहास एक बार फिर हमारे नायकों की याद में चमक रहा है। प्रधानमंत्री मोदी इन कमांडरों की जीवनी और वीरता को सबके सामने लाने का काम कर रहे हैं, ऐसा राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा। वे भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के मौके पर गड़चिरोली में राष्ट्रीय आदिवासी गौरव दिवस के राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में बोल रहे थे।

**गड़चिरोली ज़िला 100% नक्सल-मुक्त**

हमारा गड़चिरोली ज़िला पिछले कई सालों से नक्सलवाद से जूझ रहा है, लेकिन आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लीडरशिप में दूर-दराज का गड़चिरोली ज़िला 100% नक्सल-मुक्त हो गया है। इतना ही नहीं, यह ज़िला न सिर्फ. माओवाद से मुक्त है, बल्कि देश के विकास का इंजन बनने के लिए भी तैयार है। हम प्रधानमंत्री की लीडरशिप में इसे देश की स्टील सिटी के तौर पर डेवलप कर रहे हैं। लेकिन, हमने इन आदिवासियों, दलितों, डइउ२ को सेंटर माना है। आज गड़चिरोली महसूस कर रहा है कि बदलाव क्या होता है। गड़चिरोली राज्य का पहला ज़िला बनेगा, आखिरी नहीं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने यह विश्वास जताया है।

## 'झूठी और भ्रामक है भाजपा के 209 उम्मीदवारों की लिस्ट', सीएम योगी और पंकज चौधरी ने पत्र जारी कर अफवाहों को नकारा

**भाजपा ने उन मीडिया रिपोर्ट्स का खंडन किया है, जिनमें दावा किया जा रहा था कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी पसंद के 209 प्रत्याशियों की सूची पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को भेजी है. पार्टी ने योगी आदित्यनाथ और प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के हस्ताक्षर से पत्र जारी कर इस खबर को पूरी तरह गलत और भ्रामक बताया है.**

(जीएनएस)।

धानसभा चुनाव से पहले इखढ में उम्मीदवारों की लिस्ट को लेकर चल रही चचाओं पर पार्टी ने सफाई दी है. यूपी बीजेपी ने 209 उम्मीदवारों की सूची मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से पार्टी के बड़े नेताओं को भेजे जाने की खबरों का खंडन किया है. पार्टी ने इन खबरों को पूरी तरह गलत और भ्रामक बताया है.

इस संबंध में बीजेपी की प्रदेश इकाई ने एक औपचारिक पत्र जारी किया है. इस पत्र पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के साइन हैं. पार्टी ने साफ किया है कि मुख्यमंत्री की ओर से 209 उम्मीदवारों की कोई सूची शीर्ष नेतृत्व को नहीं भेजी गई है.




दरअसल, पिछले कुछ दिनों से मीडिया में ऐसी खबरें चल रही थीं कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी पसंद के 209 उम्मीदवारों की सूची तैयार की है. दावा किया जा रहा था कि उन्होंने यह लिस्ट पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को भेज दी है. इस खबर के सामने आने के बाद यूपी बीजेपी में उम्मीदवारों के चयन को लेकर चचाएं तेज हो गई थीं.

खबरों में यह भी चर्चा थी कि मुख्यमंत्री की पसंद के उम्मीदवारों को लेकर पार्टी के अंदर बातचीत चल रही है. हालांकि, अब बीजेपी ने आधिकारिक पत्र जारी कर इन खबरों को गलत बताया है.

**पहली बार योगी के हस्ताक्षर वाली चिट्ठी से खंडन**

इस पूरे मामले में पार्टी की ओर से जारी पत्र पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने भी इस पर हस्ताक्षर किए हैं. इस तरह पार्टी ने संगठन के स्तर पर इन खबरों का जवाब दिया है.

बताया जा रहा है कि एक न्यूज चैनल पर 209 उम्मीदवारों की सूची भेजे जाने की खबर प्रसारित होने के बाद यह मामला चर्चा में आया था. इसके बाद से ही राजनीतिक गलियारों में इस सूची को लेकर सवाल उठ रहे थे.

अब बीजेपी की प्रदेश इकाई ने पत्र जारी कर इस चर्चा पर विराम लगाने की कोशिश की है. पार्टी का कहना है कि 209 उम्मीदवारों की सूची भेजे जाने की खबरों में कोई सच्चाई नहीं है. इस बयान के बाद उम्मीदवारों के चयन को लेकर चल रही अटकलों पर फिलहाल पार्टी ने अपना रुख साफ कर दिया है.




# सम्पादकीय

## भारत समिट 2026 में विदेशी दखलंदाजी पर सवाल

भारत के लोकतंत्र में विदेशी दखलंदाजी का सवालः राहुल गांधी के अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक सहयोगियों को लेकर नया विवाद, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और उनके अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक संपर्कों को लेकर एक बार फिर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। हैदराबाद में आयोजित भारत समिट 2026 के दौरान यूरोपियन सोशलिस्ट पाटा (जए) के महासचिव जियाकोमो फिलिबेक ने कांग्रेस के नारे 'वोट चोर, गद्दी छोड़' को दोहराकर भारतीय राजनीति में नई बहस छेड़ दी।

फिलिबेक ने राहुल गांधी की मौजूदगी में यह नारा लगाया और अंग्रेजी में भी कहा, "वोट चोर, गद्दी छोड़' उनके इस बयान को लेकर भारतीय जनता पाटा ने सवाल उठाए हैं कि आखिर भारत के आंतरिक लोकतांत्रिक और चुनावी मामलों में विदेशी राजनीतिक प्रतिनिधियों को इस तरह हस्तक्षेप करने का मंच क्यों दिया जा रहा है? राहुल गांधी लगातार वेंद्र की मोदी सरकार पर चुनावी प्रब्रिया में अनियमितताओं, मतदाता सूचियों में कथित गड़बिड़यों और लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने के आरोप लगाते रहे हैं। हैदराबाद के इस आयोजन में भी उन्होंने चुनावी व्यवस्था और 2024 के लोकसभा चुनाव की निष्पक्षता पर सवाल उठाए।

लेकिन इस पूरे घटनाब्रम ने एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या भारत के आंतरिक राजनीतिक विवादों को अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर ले जाकर विदेशी नेताओं से उन आरोपों को दोहरवाना उचित है? राजनीतिक विचारों का अंतर्राष्ट्रीय आदान-प्रदान अपनी जगह है, लेकिन किसी संप्रभु देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर टिप्पणी करते समय तथ्यों और संवैधानिक मर्यादाओं का ध्यान रखना भी जरूरी है।

जियाकोमो फिलिबेक का 2018 का फिलीपींस दौरा भी अब चर्चा में है। अप्रैल 2018 में फिलीपींस के आब्रजन अधिकारियों ने उन्हें देश में प्रवेश से वंचित कर वापस भेज दिया था। फिलीपींस के आब्रजन विभाग के अनुसार, उन पर पर्यटक वीजा की शर्तों का उल्लंघन करते हुए राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होने का आरोप था, जो वहां के कानून के तहत विदेशी पर्यटकों के लिए प्रतिबंधित थीं। हालांकि, यूरोपियन सोशलिस्ट पाटा ने उस समय अपने प्रतिनिधि के साथ हुई कार्रवाई पर आपत्ति जताई थी।

यह घटना फिलिबेक की विदेशों में राजनीतिक गतिविधियों को लेकर सवाल जरूर खड़े करती है, लेकिन इससे भारत में उनकी मौजूदा राजनीतिक भागीदारी को गैरकानूनी साबित नहीं किया जा सकता।

भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस विदेशी राजनीतिक हस्तियों के माध्यम से भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं और चुनावी व्यवस्था को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बदनाम करने का प्रयास कर रही है। दूसरी ओर, कांग्रेस का कहना है कि भारत समिट लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग जैसे विषयों पर चर्चा का मंच है।

इस पूरे विवाद के बीच एक बुनियादी लोकतांत्रिक सिद्धांत को नहीं भूलना चाहिए-भारत में सत्ता का पैसला किसी विदेशी नेता, अंतर्राष्ट्रीय संगठन या राजनीतिक परिवार के हाथ में नहीं है। देश का नेतृत्व कौन करेगा, इसका निर्णय केवल भारत के मतदाता अपने संवैधानिक अधिकार के माध्यम से करते हैं।

राहुल गांधी को सरकार की आलोचना करने और चुनावी प्रायिा पर सवाल उठाने का पूरा लोकतांत्रिक अधिकार है। उसी तरह सरकार और विपक्ष को अपने-अपने पक्ष में तथ्य रखने का अधिकार है। लेकिन चुनावी धांधली जैसे गंभीर आरोपों का पैसला राजनीतिक नारों से नहीं, बल्कि प्रमाणों और संवैधानिक संस्थाओं की जांच से होना चाहिए।

# मोदी की किताबें, सोनिया की किताब

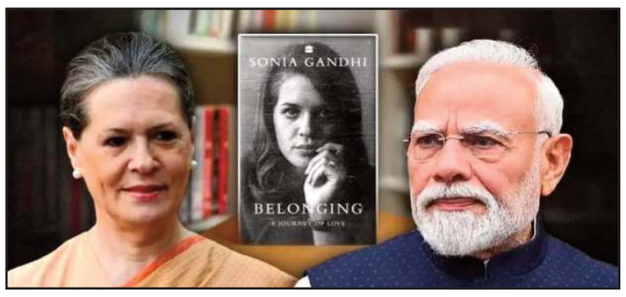
हरिशंकर व्यास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक दर्जन किताबें लिखी हैं। इसमें कविता की किताब है, मोटिवेशनल किताब है, बच्चों के लिए किताब है। सामाजिक समरसता व जलवायु परिवर्तन के ऊपर भी किताब है। ये सारी किताबें प्रधानमंत्री बनने के बाद छपी हैं। लेकिन अगर किसी से इन किताबों के बारे में पूछें तो शायद ही कोई बता पाए। भाजपा के ज्यादातर नेता भी इन किताबों के बारे में नहीं जानते हैं। न उनकी चर्चा करते हैं। किसी भी किताब को लेकर कभी ऐसी हाइप नहीं बनी, जैसी सोनिया गांधी की किताब को लेकर बनी है। नरेंद्र मोदी की किसी किताब पर कभी कोई चर्चा हुई हो, बहस हुई या उसमें कमी निकालने की होड़ मची हो, ऐसा भी नहीं है।

इसका अर्थ है कि किताब आई-गई हो गई। यह भी अर्थ है कि लोगों को यह जानने में कोई जिज्ञासा नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी क्या लिख रहे हैं।

उनकी एकमात्र चर्चित किताब 'एग्जाम वॉरियर्सइ है। यह किताब पेंग्विन से छपी है, जो उन्होंने बच्चों को प्रेरित करने के लिए लिखी है। लेकिन इस किताब की भी सकारात्मक तरीके से शायद ही कभी चर्चा हुई है। ऐसी तो कोई मिसाल नहीं है, जिससे लगे कि बच्चों या उनके अभिभावकों को इस किताब से बहुत लाभ मिला। हां, पिछले दिनों जब लगातार नीट की परीक्षा के पेपर लीक और गड़बड़ियों को लेकर आंदोलन चल रहे थे तब कई लोगों ने इस पर तंज करते हुए लिखा कि नरेंद्र मोदी ने 'एग्जाम वॉरियर्सइ नाम से किताब लिखी और उनकी सरकार ने सचमुच बच्चों को वॉरियर बना दिया। अब परीक्षा से पहले और बाद में बच्चों को कई मोर्चे पर लड़ना पड़ता है। पहली लड़ाई तो यही है कि परीक्षा समय पर हो। दूसरी लड़ाई है कि परीक्षा देने के लिए छात्र सेंटर पर पहुंच जाएं क्योंकि कई परीक्षाएं एक दिन रख दी जाती हैं, सेंटर इतनी दूर कर दिए जाते हैं कि बच्चें पहुंच नहीं पाते हैं। तीसरी लड़ाई यह है कि परीक्षा हो जाए तो पेपर लीक नहीं हों। इन सबसे पार पाकर अगर परीक्षा दे दी तो चौथी लड़ाई है कि अंकों में गड़बड़ी नहीं हो या किसी अन्य धांधली का खुलासा न हो, जिसके बाद परीक्षा रद्द हो जाए।

बहरहाल, 'एग्जाम वॉरियर्सइ के कविताओं का संग्रह है, जिसका अंग्रेजी में अनुवाद हुआ है। जलवायु परिवर्तन पर प्रधानमंत्री मोदी ने 'कन्वीनिएंट एक्शनइ नाम से किताब लिखी है, जिसे




अलावा मोदी ने 11 और किताबें लिखी हैं। एक किताब का नाम है 'साक्षी भावइ यह किताब प्रभात प्रकाशन से छपी है और यह मोदी की कविताओं का संग्रह है, जिसमें पहली कविता मां पर है। मोदी ने लिखा है कि ये कविताएं उन्होंने आत्मसुख के लिए लिखी है। ऐसे ही कविता की एक अन्य किताब है 'अ जर्नीः पोएम्स बाई नरेंद्र मोदीइ। यह किताब रूपा प्रकाशन से छपी है। यह गुजराती में लिखी गई 67 लेक्सिस नेक्सिस नाम के प्रकाशन ने छापा है। ऐसे ही 'राष्ट्र सर्वोपरि मानने वाले तपस्वी मनीषियों का पुण्य स्मरणइ करने के लिए मोदी ने 'ज्योति पुंजइ नाम से किताब लिखी है, जिसे प्रभात प्रकाशन ने छापा है। सिंगापुर में उनके लेक्चर को लेकर भी एक किताब छपी है। इनमें कई किताबें ऐसी हैं, जो गुजराती, हिंदी में छपी हैं और फिर अंग्रेजी में अनुवाद हुआ है। 'सोशल हारमनीइ और 'सामाजिक समरसताइ नाम से दो किताबें हैं।

इसके बरक्स सोनिया गांधी की पहली किताब है-'बिलॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लवइ। इस किताब की इतनी चर्चा है, जितनी हाल के दिनों में किसी किताब की नहीं हुई है। ऐसा नहीं है कि सिर्फ कांग्रेस के नेताओं के बीच, उसके इकोसिस्टम में चर्चा है। बौद्धिक जगत में भी इस किताब पर बात हो रही है। हर प्लेटफॉर्म पर किताब की समीक्षा हो रही है। मीडिया और सोशल मीडिया में किताब के हर अध्याय को लेकर अच्छी या बुरी समीक्षा की जा रही है। भाजपा के प्रवक्ता उस पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं तो भाजपा की सहयोगी पार्टियों के नेता भी किताब खरीद कर गर्व के साथ उसका प्रदर्शन कर रहे हैं। लोक जनशक्ति पार्टी के सांसद अरुण भारती की तस्वीर वायरल हुई थी, जिसमें वे खान मार्केट के बाहरी संस से सोनिया गांधी की किताब लेकर निकल रहे थे। जाहिर है कि हर पक्ष किसी न किसी मुद्दे को लेकर जानना चाहता है कि सोनिया गांधी की उस पर क्या राय है। यह उनके निजी जीवन की किताब है इसके बावजूद समकालीन राजनीति की बहुत सारी बातें इसमें हैं।

वैसे इस किताब का प्रचार तो पहले ही हो गया, जब पेंग्विन ने इसे छापने से मना किया। उस समय कहा गया कि इसमें लिखी कुछ बातों से सरकार को आपत्ति है इसलिए पेंग्विन ने छापने से मना किया है। तभी इस किताब को अच्छा खासा प्रचार मिला। फिर भाजपा के नेताओं ने पहले दिन से बिना पढ़े किताब की समीक्षा शुरू कर दी। उससे भी किताब के प्रति लोगों की दिलचस्पी बढ़ी। प्रकाशक ने पहला संस्करण एक लाख कॉपी में छापा है। किसी भी नॉन फिक्शन बुक के लिए यह बहुत बड़ी संख्या है। खासतौर से भारत में क्योंकि भारत में किताबें खरीद कर पढ़ने की परंपरा कभी नहीं रही है। अमेरिका, यूरोप में आमतौर पर किताबों की एक मिलियन यानी 10 लाख प्रति बिक जाती है। भारत में ऐसा नहीं होता है। फिर भी सोनिया गांधी की किताब नए रिकॉर्ड बनाती लगती है।

# पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए चुनौती है सिंगल यूज प्लास्टिक, न करें उपयोग योगी आदित्यनाथ

**उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सिंगल यूज प्लास्टिक को पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती बताते हुए इसके उपयोग पर पूरी तरह से रोक लगाने का आह्वान किया है। रविवार को आयोजित कार्यक्रम गोमती उत्सव-2026 को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि तात्कालिक लाभ के लिए प्लास्टिक का इस्तेमाल न केवल हमारी नदियों और प्रकृति को प्रदूषित कर रहा है, बल्कि यह हमारे सुरक्षित भविष्य के लिए भी एक बड़ा खतरा है, इसलिए आम जनमानस को इसका पूर्ण बहिष्कार करना चाहिए।**

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सिंगल यूज प्लास्टिक को पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती बताते हुए इसके उपयोग पर पूरी तरह से रोक लगाने का आह्वान किया है। रविवार को आयोजित कार्यक्रम गोमती उत्सव-2026 को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि तात्कालिक लाभ के लिए प्लास्टिक का इस्तेमाल न केवल हमारी नदियों और प्रकृति को प्रदूषित कर रहा है, बल्कि यह हमारे सुरक्षित भविष्य के लिए भी एक बड़ा खतरा है, इसलिए आम जनमानस को इसका पूर्ण बहिष्कार करना चाहिए।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारी मातृशक्ति अपने हुनर से दुनिया की सबसे बड़ी खाद्य कंपनी को भी सीधी टक्कर दे सकती है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने प्रदेश को 'वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया' दिया था, जबकि वर्तमान सरकार ने 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' और 'वन डिस्ट्रिक्ट वन कुजीन' जैसी योजनाएं दी हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विभिन्न क्षेत्रों में



उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रमुख विभूतियों को 'गोमती गौरव सम्मान' से सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने वर्तमान जीवनशैली पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज एक ही छत के नीचे रहने वाले परिवार के सदस्य अपने स्मार्टफोन में सिमट कर रह गए हैं। चार लोग अगर एक कमरे में बैठे हैं, तो चारों की दिशाएं अलग अलग होती हैं और वे मोबाइल फोन की दुनिया में ही व्यस्त रहते हैं। इस बढ़ते एकांगीपन को दूर करने के लिए उत्सव बहुत आवश्यक हैं।

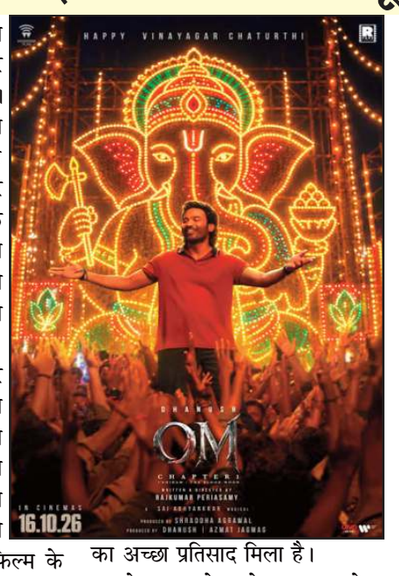
गोमती उत्सव जैसे आयोजन लोगों को घरों से बाहर निकालकर समाज और परिवार के साथ फिर से जुड़ने का शानदार अवसर प्रदान करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोमती आदि गंगा के रूप में इस क्षेत्र में मान्य है और यह लखनऊ की आत्मा है। दुनिया की सभी महान सभ्यताएं और संस्कृतियां नदियों के तट पर ही फली फूली हैं और भारत के प्रमुख तीर्थ भी नदियों के किनारे ही स्थित हैं। नक्शे देखें

उन्होंने कहा कि भारत ने हमेशा मानव सभ्यता के उद्गम से लेकर अब तक अपनी नदी संस्कृति के महत्व को समझा है। 2017 से पहले अयोध्या में दीपावली पर कोई आयोजन नहीं होता था। आज अयोध्या का दीपोत्सव दुनिया का सबसे भव्य आयोजन बन चुका है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यदि अयोध्या का दीपोत्सव ऐसे ही बढ़ता रहा, तो एक दिन यूनेस्को भी इसे वैश्विक मान्यता प्रदान करेगा। भारत की आस्था और संस्कृति उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक एक समान है, जो एक श्रेष्ठ और सुरक्षित भारत की भावना को मजबूत करती है।

गोमती नदी के संरक्षण पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि लखनऊ से पहले तक गोमती की धारा अविरल और निर्मल है, लेकिन शहर में प्रवेश करते ही यह अपने अस्तित्व को खो देती है। राज्य सरकार ने गोमती में गिरने वाले नालों और सीवर को रोकने के लिए नए एसटीपी का निर्माण कराया है। उन्होंने उत्सव समिति से अपील की कि गोमती उत्सव की शुरूआत नदी की शुद्धता, अविरलता और निर्मलता के संकल्प के साथ होनी चाहिए।

# ओ एम के ट्रेलर में धनुष का फुल ऑन मास अवतार, ममूटी का दमदार दबदबा और साई पल्लवी का खूंखार अंदाज!

राजकुमार पेरियासामी के निर्देशन में बनी फिल्म ओ एमः चैप्टर 1 झ उधिरमः द ब्लड वुड में श्रीलीला भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म का संगीत साई अभ्यंकर ने दिया है। यह फिल्म 20 नवंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ओ एमः चैप्टर 1 झ उधिरमः द ब्लड वुड का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज हो चुका है, जो दर्शकों को राजकुमार पेरियासामी की इस एक्शन ड्रामा की दुनिया की पहली झलक दिखाता है। शानदार दृश्य, बड़े पैमाने पर फिल्माए गए एक्शन दृश्य और जबरदस्त टकराव की झलकियां इस बात का इशारा कर रही हैं कि फिल्म बड़े पर्दे पर एक शानदार सिनेमाई अनुभव देने वाली है। ट्रेलर में धनुष अपने चिर-परिचित अंदाज में फुल ऑन मास अवतार में नजर आ रहे हैं, तो वहीं ममूटी अपनी खामोश लेकिन दमदार मौजूदगी से पर्दे पर पूरा दबदबा कायम करते हैं। साई पल्लवी आईपीएस अधिकारी नित्या रेड्डी के किरदार में अपने तीखे और बेखौफ अंदाज की झलक दिखाती हैं, जबकि श्रीलीला ट्रेलर में थोड़ी हल्की-फुल्की ऊर्जा और ताजगी लेकर आती हैं।




साई अभ्यंकर का दमदार संगीत ट्रेलर की जान बना हुआ है, जो एक तरफ रोमांच और तनाव को बढ़ाता है, तो दूसरी तरफ जबरदस्त एक्शन दृश्यों को और भी प्रभावशाली बनाता है। ट्रेलर से पहले फिल्म के संगीत संग्रह के तीन गाने 'अलाका लूवाइ, 'वीझा वीराइ और 'सेन्जुदारेइ रिलीज किए जा चुके हैं, जिन्हें दर्शकों का अच्छा प्रतिसाद मिला है।

ट्रेलर को लेकर आरटेक स्टूडियोज की निमार्ता श्रद्धा अग्रवाल कहती हैं, ट्रेलर के जरिए अब दर्शकों को आखिरकार उस दुनिया की झलक मिलेगी, जिसे राजकुमार सर ने रचा है और यह भी समझ आएगा कि बड़े पर्दे पर ओ एम का अनुभव कैसा होने वाला है। यह देखना बेहद शानदार रहा है कि फिल्म के संगीत को दुनियाभर के श्रोताओं का इतना प्यार मिल रहा है। हमें उम्मीद है कि ट्रेलर इस उत्साह को और बढ़ाएगा और ज्यादा से ज्यादा दर्शकों को ओ एम की इस दुनिया से जोड़ेगा।

राजकुमार पेरियासामी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में धनुष, ममूटी, साई पल्लवी, श्रीलीला, नसीरुद्दीन शाह और इंद्रांस अहम भूमिकाओं में हैं। श्रद्धा अग्रवाल, धनुष और अजमत जगमग द्वारा आरटेक स्टूडियोज और वंडरबार फिल्म्स के बैनर तले निर्मित ओ एमः चैप्टर 1 झ उधिरमः द ब्लड वुड 20 नवंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

# अरिजीत को हंसते-हंसते पेट में दर्द हो जाता है, काजी तौकीर ने बताया सिंगर का अनदेखा अंदाज

गायक काजी तौकीर और अरिजीत सिंह करीब 21 साल से दोस्त हैं और दोनों एक-दूसरे के साथ बेहद गहरा और खास रिश्ता शेयर करते हैं। रियलिटी शो बिग बॉस-20 के दौरान काजी तौकीर ने अरिजीत के साथ अपने रिश्ते के बारे में खुलकर बात की। शो के दौरान काजी तौकीर ने अरिश्फा खान और उदिति सिंह के साथ बातचीत में अरिजीत को एक रिजर्व इंसान बताया। उन्होंने कहा कि गायक में एक अलग ही लेवल का पागलपन है और वे ऐसे इंसान हैं, जो खुद को और भी ज्यादा एक्सप्लोर करने के लिए लगातार आगे बढ़ाते रहते हैं। उन्होंने कहा, जब अरिजीत और मैं एक साथ बैठते हैं, तो अरिजीत को हंसते-हंसते पेट में दर्द होने लगता है, क्योंकि मेरा लेवल उनसे अलग है। वे भी पागलपन वाली हरकतें करते हैं, लेकिन साथ ही वे एक प्राइवेट इंसान भी हैं। वह सिर्फ अपने लोगों के सामने ही खुलते हैं।



काजी ने आगे बताया कि कैसे अरिजीत की जिज्ञासा और क्रिएटिव अप्रोच उन्हें और आगे बढ़ाती रहती हैं। उन्होंने कहा, वो बहुत पागल, कमाल के, चैंपियन और खूबसूरत इंसान हैं और यह उनके अंदर कभी खत्म नहीं होना चाहिए। उनके अंदर चैंपियन वाला एटीट्यूड है।

काजी ने अपने और अरिजीत के बीच समानता के बारे में बात करते हुए कहा कि अलग-अलग तरीके से एक्सप्रेस करने के बावजूद दोनों की पर्सनालिटी एक जैसी है।

बता दें कि काजी तौकीर और अरिजीत सिंह दोनों ने ही भारतीय म्यूजिक इंडस्ट्री में अपनी अलग जगह बनाई है। दोनों की पहली मुलाकात साल 2005 में सिंगिंग रियलिटी शो फेम गुरुकुल के दौरान हुई थी। इस शो में काजी तौकीर विजेता बने थे, जबकि अरिजीत सिंह छठे स्थान पर रहे थे।

शो के दौरान दोनों टीनएजर थे और एक ही कमरे में साथ रहते थे। जब काजी तौकीर बिग बॉस 20 में बतौर कंटेस्टेंट शामिल हुए, तब अरिजीत सिंह ने खुलकर उनका समर्थन किया।

# न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवें वनडे में भारत की खराब शुरूआत : पहले पावरप्ले में गंवाए 3 बड़े विकेट, 14 ओवर में स्कोर 68/3

न्यूजीलैंड , न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवें एकदिवसीय मुकाबले में भारतीय क्रिकेट टीम की शुरूआत बेहद निराशाजनक रही है। टॉस के बाद बल्लेबाजी करने उतरी टीम इंडिया ने पहले पावरप्ले (शुरूआती 10 ओवरों) में ही अपने तीन प्रमुख बल्लेबाजों के विकेट गंवा दिए। 14 ओवर का खेल समाप्त होने तक भारत का स्कोर 3 विकेट के नुकसान पर 68 रन है। फिलहाल कप्तान श्रेयस अय्यर और अक्षर पटेल क्रीज पर डटे हुए हैं और पारी को संभालने की कोशिश कर रहे हैं। पावरप्ले में ढहा शीर्ष क्रम, मैट फिशर और जैकब डफी की घातक गेंदबाजी

रोहित और कोहली सस्ते में आउटः भारतीय शीर्ष क्रम कीवी तेज गेंदबाजों के सामने संघर्ष करता नजर आया। अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा महज 7 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद 8वें ओवर में विराट कोहली (5 रन) भी पवेलियन लौट गए। कोहली ने मैट फिशर की ऑफ स्टंप के बाहर बैक ऑफ लेंथ गेंद पर बड़ा शॉट खेलने का प्रयास किया, लेकिन गेंद बल्ले का बाहरी किनारा लेकर विकेटकीपर टिम साइफर्ट के हाथों में चली गई, जिन्होंने दाईं ओर छलांग लगाकर शानदार कैच पकड़ा।

ऋतुराज की पारी का अंतः 9वें ओवर की पहली ही गेंद पर जैकब डफी ने भारत को तीसरा झटका दिया। डफी की अंदर आती गेंद पर ड्राइव खेलने के चक्कर में ऋतुराज गायकवाड़ (27 गेंद, 18 रन) बल्ले का अंदरूनी किनारा दे बैठे और विकेटकीपर टिम साइफर्ट ने आसान कैच लपका। न्यूजीलैंड की ओर से अब तक मैट फिशर को 2 और जैकब डफी को 1 सफलता मिली है।

कीवी फील्डर्स ने टपकाए कैचः अक्षर और श्रेयस को मिले जीवनदान

शुरूआती झटकों के बाद भारतीय टीम और भी बड़े संकट में फंस सकती थी, लेकिन न्यूजीलैंड की खराब फील्डिंग ने भारत को राहत दीः

अक्षर पटेल को दो बार मिली राहतः 9वें ओवर की पांचवीं गेंद पर जैकब डफी की गेंद को अक्षर पटेल ने मिडविकेट की ओर फ्लिक किया, जहां डीन फॉक्सक्रॉफ्ट ने उछलकर कैच पकड़ने की कोशिश की, लेकिन गेंद उनके हाथों से छिटक गई। इसके बाद 11वें ओवर में अक्षर रनआउट होने से भी बाल-बाल बचे, हालांकि इस दौरान उनकी गेंदबाज डफी से हल्की टक्कर भी हुई।

## पांचवां वनडे : भारतीय टीम 209 रन पर सिमटी, न्यूजीलैंड के लिए सेंटनर और डफी ने 3-3 विकेट लिए

माउंट माउंगानुई ,15 नवंबर ,। न्यूजीलैंड के खिलाफ बे ओवल में खेले जा रहे वनडे सीरीज के पांचवें और निर्णायक मुकाबले में भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 209 रन पर सिमट गई है। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरूआत एक बार फिर खराब रही। रोहित शर्मा और विराट कोहली एक बार फिर बड़ी पारी खेलने में असफल रहे। रोहित 7 रन और विराट 5 रन बनाकर आउट हुए। रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरूआत करने उतरे ऋतुराज गायकवाड़ सीरीज में लगातार दूसरी बार मिले मौके को भूना नहीं पाए और 18 रन बनाकर आउट हो गए। कप्तान श्रेयस अय्यर भी अच्छी शुरूआत मिलने के बावजूद बड़ी पारी खेलने में सफल नहीं रहे और महज 22 रन बनाकर आउट हो गए।

बाएं हाथ के दो बल्लेबाजों अक्षर पटेल और ईशान किशन ने 46-46 रन की अहम पारियां खेलीं। इन्हीं पारियों की बदौलत टीम इंडिया एक सम्मानजनक स्कोर तक पहुंच सकी।

# कुमामोटो मास्टर्सः लक्ष्य सेन खिताब जीतने वाले पहले भारतीय शटलर बने

कुमामोटो ,15 नवंबर ,। लक्ष्य सेन कुमामोटो मास्टर्स एकल वर्ग का खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में लक्ष्य ने कोकी वतनबे को हराकर खिताब अपने नाम किया। सेन ने 1 घंटे 4 मिनट तक चले मुकाबले में स्थानीय और खिताब के प्रबल दावेदार माने जा रहे वतनबे को 13-21, 21-18, 21-14 से हराया। टाइटल जीतने के साथ, लक्ष्य 2023 में शुरू हुए कुमामोटो मास्टर्स टूनार्मेंट को जीतने वाले पहले भारतीय बन गए। इससे पहले, वह टूनार्मेंट के फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय शटलर बने थे।

इस महीने की शुरूआत में जर्मनी में हाइलो ओपन जीतने के बाद यह लक्ष्य का लगातार दूसरा बीडब्ल्यूएफ




सुपर 500 क्राउन था। यह उनके करियर में पहली बार है जब उन्होंने एक ही सीजन में दो बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर टाइटल जीते हैं। कुल मिलाकर, यह उनका छठा बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर टाइटल था।

वतनबे ने अच्छी शुरूआत की, और पहला गेम 21-13 से जीत लिया। भारतीय खिलाड़ी ने दूसरे गेम में खुद को संभाला और 13-10 की बढ़त बनाए रखी, फिर लगातार छह पॉइंट लेकर नौ पॉइंट की बढ़त बना ली। हालांकि, वतनबे ने भी लगातार सात पॉइंट बनाकर स्कोर 19-17 कर दिया।

दबाव में, लक्ष्य, जिसने हांगझोऊ में बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स 2026 के लिए क्वालीफाई करने के अपने मौके बढ़ाए, ने दूसरा गेम जीतकर निर्णायक गेम के लिए मजबूर कर दिया।

निर्णायक गेम में, दोनों खिलाड़ी शुरूआती मुकाबलों में आमने-सामने थे। हालांकि, 5-5 के स्कोर से, लक्ष्य ने धीरे-धीरे बढ़त बनानी शुरू की और इंटरवल तक 11-7 की बढ़त बना ली, फिर आराम से जीत हासिल कर ली। यह सेन के लिए इस साल का तीसरा बीडब्ल्यूएफ टूर फाइनल था। टाइटल जीतने के साथ, लक्ष्य ने 9,200 रैंकिंग पॉइंट हासिल किए, जो उनके सीजन के आखिर के कैंपेन के लिए एक बड़ा बढ़ावा है।

PRGI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M) 9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

# खेत जोतकर धान की फसल नष्ट की, जान से मारने की धमकी, महिला किसान ने थाने में दी तहरीर




(जीएनएस)।

लखनऊ /प्रयागराज

करछना / प्रयागराज। ग्राम विरहा गिधौरा निवासिनी महिला किसान सविता देवी पत्नी कमलचन्द्र पटेल ने थानाध्यक्ष करछना को तहरीर देकर दबंगों पर जबरन खेत जोतकर फसल नष्ट करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है।

प्रार्थिनी के अनुसार वह ग्राम विरहा गिधौरा में राम सिंह व ज्ञान सिंह पुत्रगण स्व. लालता प्रसाद पटेल निवासी भटेरवा की जमीन अधिया पर लगभग 30 वर्षों से जोत रही है। गाटा संख्या 28 में उन्होंने 05 बिस्वा में पालक, मूली आदि साग-सब्जी बोकर जाल से घेर रखा था। बाकी खेत में धान की फसल काटकर सुखाने के लिए फैलाई थी।

आरोप है कि दिनांक 12.11.2026 की शाम लगभग 05.00 बजे मिट्ठू लाल पुत्र स्व. भगौती प्रसाद व रवि शंकर पटेल व विजय शंकर पटेल व अजीत पटेल पुत्रगण मिथुलाल पटेल, माता प्रसाद उर्फ मुण्डाली पुत्र स्व. भगौती प्रसाद व गुड्डू पटेल पुत्र स्व. देवराज पटेल निवासी ग्राम विरहा गिधौरा अपने 08-10 अन्य अज्ञात साथियों के साथ हाथ में लाठी, डंडा, कुल्हाड़ी व तमंचा लेकर आए और जबरन खेत जोतने लगे। प्रार्थिनी ने विरोध किया तो उन्होंने चौकी भीरपुर में फोन किया। पुलिस को देखकर सभी लोग गाली-गलौज देते हुए जान से मारने की धमकी देकर मौके से भाग गए।

प्रार्थिनी का कहना है कि आज दिनांक 13.11.2026 को सुबह जब वह खेत देखने गई तो देखा कि काटकर सुखाने के लिए फैलाया गया पूरा धान उठाकर रोड के किनारे फेंक दिया गया था। 05 बिस्वा में बोई पालक, मूली व साग-सब्जी को जोतकर नष्ट कर दिया गया और जाल को तोड़कर फेंक दिया गया, जिससे लाखों रुपये का नुकसान हुआ।

शिकायत करने गई तो आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए लाठी लेकर दौड़ा लिया। गुड्डू पटेल व रवि शंकर ने कहा - "इसको मारो, जो होगा देखा जाएगा, पुलिस से पहले से बात कर लिया है, पुलिस मौके पर नहीं आएगी। पिछली बार भी कोई कुछ नहीं कर पाया। अगर इस बार राम सिंह व ज्ञान सिंह इधर आयेंगे तो उन्हें भी जान से मार देंगे।"

प्रार्थिनी ने यह भी आरोप लगाया कि रवि शंकर ने कहा कि "मैं ग्राम प्रधान हूँ, थाना पुलिस व तहसील मेरी मुट्ठी में है।"

प्रार्थिनी के अनुसार दिनांक 29.10.2026 को भी उनके ही गाँव के फतेहबहादुर पुत्र रामतीरथ पटेल के द्वारा बोया गया खेत भी इसी तरह जबरन दबंगई व गुण्डई से जोतकर फसल नष्ट कर दी गई थी। आरोपियों के खिलाफ कोई कार्यवाही न होने के कारण इनके हौसले बुलन्द हैं।

पीड़िता ने आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कठोर से कठोर कानूनी कार्यवाही की मांग की है, जिससे आरोपी भविष्य में कभी किसी किसान को परेशान न कर सकें

# करछना तहसील के खजुरौल ग्राम पंचायत में सरकारी जमीन पर भू-माफिया दबंगों का कब्जा, आखिर कब जागेगी योगी सरकार?



(जीएनएस)।

लखनऊ/प्रयागराज

प्रयागराज करछना तहसील के खजुरौल ग्राम पंचायत में लगभग 4,000 बीघा सरकारी जमीन पर दबंगों द्वारा अवैध रूप से खेती किए जाने का गंभीर मामला सामने आ रहा है। आरोप है कि सरकारी जमीन पर सरसों और परवल की खेती करके दबंग लोग करोड़ों रुपये की कमाई कर रहे हैं, लेकिन सरकार और प्रशासन इस मामले में कोई ठोस कार्रवाई करते नजर नहीं आ रहे हैं।

एक तरफ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी दावा करते हैं कि प्रदेश से भू-माफिया खत्म हो चुके हैं और सरकारी जमीनों को कब्जामुक्त कराया जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ खजुरौल ग्राम पंचायत की स्थिति इन दावों पर सवाल खड़े करती है।

आखिर सरकारी जमीन पर कब्जा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं हो रही है? क्या अधिकारियों को इसकी जानकारी नहीं है या फिर जानबूझकर आंखें बंद की गई हैं? प्रशासन तत्काल जांच कराकर सरकारी जमीन को कब्जामुक्त कराए और दोषियों पर सख्त कार्रवाई करे। सरकारी जमीन जनता की संपत्ति है, किसी दबंग की निजी जागीर नहीं है गांव सभा के लोगो के जानवर जते है चारा के लिए तो ये भू- माफिया लोग उनके ऊपर प्रहार करते है उनको मार के भगाते है इनसे गांव के लोग बहुत तंग आ गये शासन प्रशासन से गुहार लगाते हो गये परेशान कोई सुनवाई नही हो रही है इसमे राजस्व के मिली भगत से माफिया को साहस मिली हुई है अब देखा जायेगा उत्तर प्रदेश सरकार इन माफिय के ऊपर क्या कार्यवाही होती है या सब शून्य हि रहेगो

# सचेंडी में सनसनीखेज हत्याकांड का पुलिस ने किया खुलासा, सगे भाई ने ही ली भाई की जान

रिषभ द्विवेदी संवाददाता कानपुर

**पैसों के लेनदेन को लेकर चल रहा था विवाद, शराब के नशे में वारदात को दिया अंजाम; आरोपी दिनेश उर्फ मिंचू गिरफ्तार**

कानपुर नगर। सचेंडी थाना क्षेत्र के ग्राम कटरा भैंसौर में हुए सनसनीखेज हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा करते हुए मृतक के सगे भाई को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, भाई द्वारा खाते से बार-बार पैसे निकालने को लेकर दोनों के बीच विवाद चल रहा था। इसी रंजिश में आरोपी ने वारदात को अंजाम दिया।




जानकारी के अनुसार, 13/14 नवंबर की रात ग्राम कटरा भैंसौर निवासी सोनू पुत्र मूलचंद्र अपने मकान के बरामदे में चारपाई पर सो रहे थे। इसी दौरान उनकी हत्या कर दी गई। घटना की सूचना मिलते ही सचेंडी पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। मृतक के परिजन द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आयुक्त कानपुर नगर के निर्देश पर डीसीपी पश्चिम के नेतृत्व में कई पुलिस टीमों का गठन किया गया। पुलिस टीमों ने सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ साक्ष्य जुटाए और आरोपी की तलाश शुरू की।

पुलिस के अनुसार, शनिवार 14 नवंबर 2026 की शाम करीब 7:30 बजे ग्राम कटरा भैंसौर जाने वाले रास्ते पर हाईवे से लगभग 80 मीटर की दूरी पर घेराबंदी कर आरोपी दिनेश उर्फ मिंचू (45 वर्ष), पुत्र मूलचंद्र, निवासी ग्राम कटरा भैंसौर को गिरफ्तार कर लिया गया।

पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म स्वीकार करते हुए बताया कि उसका भाई अक्सर उसके बैंक खाते से पैसे निकाल लेता था। इसी बात को लेकर वह नाराज था। पुलिस के मुताबिक, घटना वाली रात शराब के नशे में आवेश में आकर उसने घर में रखे फावड़े से सो रहे सोनू पर हमला कर दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी घर में ताला लगाकर फरार हो गया था।

पुलिस आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त फावड़ा (आलाकत्ल) बरामद करने की कार्रवाई कर रही है।

पुलिस टीम की कार्रवाईः इस हत्याकांड के खुलासे में प्रभारी निरीक्षक दीनानाथ मिश्रा, उपनिरीक्षक आलोक कुमार, चौकी प्रभारी बिनौर तथा कांस्टेबल राहुल कुमार वर्मा और दीपक सिकरवार की अहम भूमिका रही।

सचेंडी पुलिस की कार्रवाई से सनसनीखेज हत्याकांड का खुलासा हुआ है। सगे भाई के हाथों भाई की हत्या की घटना से गांव में चर्चा का माहौल है।

# बीसलपुर-पीलीभीत हाईवे किनारे मिला युवक का शव, वाहन की टक्कर से मौत की आशंका

(जीएनएस)।

पीलीभीत। बरखेड़ा क्षेत्र में बीसलपुर-पीलीभीत हाईवे किनारे रविवार सुबह करीब नौ बजे एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। युवक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस को आशंका है कि किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत हुई है।



जानकारी के अनुसार, करीब 28 वर्षीय युवक लंबे समय से बरखेड़ा कस्बे और आसपास के क्षेत्र में घूमता रहता था। स्थानीय लोग उसे मानसिक रूप से अस्वस्थ बताते हैं। शनिवार रात वह गांव नवादा महेश के पास हाईवे पर पहुंचा था। आशंका जताई जा रही है कि इसी दौरान किसी अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर चोट लगने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई।

रविवार सुबह हाईवे से गुजर रहे राहगीरों ने सड़क किनारे युवक का शव पड़ा देखा। कुछ ही देर में मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों की सूचना पर बरखेड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया।

पुलिस आसपास के थानों और स्थानीय लोगों की मदद से युवक की पहचान कराने का प्रयास कर रही है। थाना अध्यक्ष सत्येंद्र कुमार ने बताया कि युवक की पहचान कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा।

# बीसलपुर (130 विधानसभा) की राजनीति में नए समीकरणों की सुगबुगाहट; नितिन पाठक के बसपा में शामिल होने की अटकलें तेज

(जीएनएस)।

बीसलपुर, पीलीभीत`

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच पीलीभीत जनपद की महत्वपूर्ण 130-बीसलपुर विधानसभा सीट पर सियासी हलचल तेज हो गई है। स्थानीय राजनीतिक गलियारों और क्षेत्रीय चचाओं के अनुसार, क्षेत्र के सक्रिय नेता और दावेदार नितिन पाठक के जल्द ही बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सदस्यता ग्रहण करने की अटकलें लगाई जा रही हैं।

स्थानीय स्तर पर चल रही इन चचाओं के मुताबिक, जिला पंचायत सदस्य के रूप में कार्य कर चुके नितिन पाठक की ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी एक पहचान रही है। इसके साथ ही, स्थानीय जानकारों और समर्थकों के अनुसार, नितिन पाठक को बीसलपुर क्षेत्र के शिक्षित और सक्रिय नेताओं की श्रेणी में गिना जाता है। गौरतलब है कि वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में भी उन्होंने बीसलपुर सीट से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी।




राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आगामी चुनाव को देखते हुए विभिन्न दलों और स्थानीय नेताओं के बीच नए समीकरण बनने की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। हालांकि, नितिन पाठक के बसपा में शामिल होने को लेकर अभी तक न तो उनकी ओर से और न ही बहुजन समाज पार्टी के किसी पदाधिकारी की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि या घोषणा की गई है। फिलहाल, स्थानीय स्तर पर इस संभावित राजनीतिक कदम को लेकर चचाओं का बाजार गर्म है और सभी की निगाहें आगामी आधिकारिक रुख पर टिकी हुई हैं।

# तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत, पति-पुत्र गंभीर घायल

**बेटे की शादी की दावत बांटने जा रहा था परिवार, हादसे में पलभर में मातम में बदली खुशियां**

(जीएनएस)।

बीसलपुर (पीलीभीत)। बेटे की शादी की दावत बांटने रिश्तेदारियों में जा रहे बाइक सवार परिवार को तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका पति और पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को उपचार के लिए निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।



शाहजहांपुर जनपद के खुदागंज थाना क्षेत्र के ग्राम घुंडी घाट निवासी बसंत लाल अपनी पत्नी कांति देवी (50) और पुत्र रवि (21) के साथ मोटरसाइकिल से बेटे की शादी की दावत बांटने रिश्तेदारियों में जा रहे थे। उनकी बाइक खुदागंज की ओर से आ रही थी, जबकि अज्ञात वाहन बीसलपुर की तरफ जा रहा था। गोवल पतिपुरा के समीप पहुंचते ही तेज रफ्तार वाहन ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार तीनों लोग सड़क पर जा गिरे।

हादसे में कांति देवी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बसंत लाल और उनका पुत्र रवि गंभीर रूप से

# छठ महापर्व पर डूबते सूर्य को दिया अर्घ्य, सुख-समृद्धि की कामना की

**चीनी मिल कॉलोनी में छठ गीतों और जयकारों से गूंजा परिसर, सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देकर होगा व्रत का पारण**

(जीएनएस)।

बीसलपुर, पीलीभीत। लोक आस्था और सूर्य उपासना के चार दिवसीय छठ महापर्व के तीसरे दिन रविवार को बीसलपुर स्थित किसान सहकारी चीनी मिल कॉलोनी परिसर में श्रद्धा और उल्लास का माहौल रहा। मिल में कार्यरत पूर्वांचल के कर्मचारियों और उनके परिवारों ने अस्ताचलगामी सूर्य को संध्या अर्घ्य देकर परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की दीर्घायु और खुशहाली की कामना की।



शाम होते ही व्रती महिलाएं और पुरुष पारंपरिक परिधानों में सज-धजकर पूजन सामग्री से भरे दउरा और सूप लेकर छठी मईया के पारंपरिक लोकगीत गाते हुए जलाशय घाट पर पहुंचे। यहां व्रतियों ने जल में खड़े होकर भगवान सूर्य की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और दूध व जल से डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। इस दौरान पूरा मिल परिसर छठी मईया के गीतों और जयकारों से गूंज उठा।

महापर्व को लेकर घाट पर विशेष साफ-सफाई के साथ आकर्षक सजावट की गई थी। कर्मचारियों और उनके परिजनों ने सामूहिक रूप से पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ पर्व मनाया। अमरजीत ने बताया कि सोमवार सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के बाद व्रती महिलाएं पारण करेंगी। इसी के साथ चार दिवसीय कठिन व्रत और छठ महापर्व का विधिवत समापन हो जाएगा।

# साझेदारी में खरीदा ट्रैक्टर बिना सहमति बेचने का आरोप, 75 हजार रुपये की जमा पूंजी फंसने पर लगाई न्याय की गुहार

(जीएनएस)।

पीलीभीत। बीसलपुर थाना क्षेत्र के गांव उगनपुर मरौरी निवासी मोरपाल ने ट्रैक्टर की साझेदारी में हुए विवाद को लेकर राजेश कुमार और उनके पिता बनवारी लाल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़ित ने बीसलपुर थाने में शिकायती प्रार्थना पत्र देकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और अपनी बकाया रकम दिलाने की मांग की है।




मोरपाल के अनुसार करीब तीन महीने पहले उन्होंने शाहजहांपुर जिले के निगोही स्थित महिंद्रा ट्रैक्टर एजेंसी से महिंद्रा 605 नोवो ट्रैक्टर फाइनेंस पर साझेदारी में खरीदा था। इसमें उन्होंने अपनी मेहनत की कमाई से 75 हजार रुपये जमा किए थे, जबकि दूसरे पक्ष की ओर से 50 हजार रुपये जमा किए गए थे। तय हुआ था कि ट्रैक्टर की पहली किस्त बनवारी लाल जमा करेंगे और बाद में बराबर हिस्सेदारी कर दी जाएगी। आरोप है कि बनवारी लाल ने बाद में 20 हजार रुपये दिए, जिससे उनकी ओर से कुल 70 हजार रुपये जमा हुए और पांच हजार रुपये कम रह गए।

पीड़ित का आरोप है कि बिना उसकी जानकारी और सहमति के ट्रैक्टर किसी तीसरे व्यक्ति को बेच दिया गया। इससे उसकी 75 हजार रुपये की जमा पूंजी फंस गई। इसके अलावा पुराने एस्कॉर्ट ट्रैक्टर के 10 हजार रुपये, मजदूरी और अन्य लेनदेन मिलाकर भी 21,050 रुपये मिलने का हिसाब बताया गया है। ट्रॉली की खराबी से हुए 30 हजार रुपये के नुकसान में 15 हजार रुपये की हिस्सेदारी घटाने के बाद दूसरे पक्ष पर 6,050 रुपये बकाया निकलने का दावा किया गया है। इस तरह जमा पूंजी सहित कुल 81,050 रुपये का मामला बताया गया है।

मोरपाल ने यह भी आरोप लगाया कि उन्होंने अपनी निजी कमाई से 1.45 लाख रुपये में ट्रॉली खरीदी थी, जिसे बाद में 1.30 लाख रुपये में बेचना पड़ा। इससे उन्हें 15 हजार रुपये का नुकसान हुआ। इसके बावजूद बनवारी लाल उनकी निजी ट्रॉली पर अधिकार जता रहे हैं और खुदागंज थाने में शिकायत देकर उन पर दबाव बनाया जा रहा है।

पीड़ित ने पुलिस से राजेश कुमार और बनवारी लाल से पूछताछ कर ट्रैक्टर की बिक्री, फाइनेंस कंपनी के हिसाब और आपसी लेनदेन की जांच कराने की मांग की है। साथ ही अपनी जमा पूंजी और बकाया रकम दिलाकर दोषियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करने की गुहार लगाई है।

# रामपुर थाना क्षेत्र में रविवार को कार की टक्कर से बेटी की शादी का निमंत्रण कार्ड बांटकर घर लौट रही बाइक सवार महिला की मौत

**हादसे में बाइक सवार महिला की मौत**

जौनपुर । रामपुर थाना क्षेत्र में रविवार को कार की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत हो गई। वह अपने बेटे के साथ बेटी की शादी का निमंत्रण कार्ड बांटकर घर लौट रही थीं। बेटी की शादी 18 नवंबर को होनी थी। पुलिस ने एंबुलेंस की सहायता से महिला को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। कार चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। घटना जिला मुख्यालय से 35 किमी दूर जौनपुर-भदोही बार्डर की है। कुंभापुर गांव निवासी निर्मला पत्नी स्व. राजमनि गौतम अपने बेटे सचिन के साथ भदोही से शादी का कार्ड बांटकर बाइक से लौट रही थी। रामपुर सेमुही मोड़ के पास पीछे से आई कार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी।टक्कर लगने से निर्मला सड़क पर गिर गई। कार चालक उन्हें कुचलते हुए मौके से फरार हो गया। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गई और उनकी मौत हो गई।सचिन ने बताया कि उसकी बहन की शादी 18 नवंबर को तय थी। वह अपनी मां के साथ भदोही में रिश्तेदारों को शादी का कार्ड बांटने गया था। वहां से लौटते समय पीछे से आई कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।रामपुर थाना प्रभारी रमेश कुमार ने बताया कि परिजनों की तहरीर मिल गई है। हादसे में शामिल कार का नंबर यूपी 62 डीजे 7555 बताया गया है। पुलिस को वाहन का नंबर मिल गया है और उसकी तलाश की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

# सीएम योगी ने 50 हजार से अधिक छात्र-छात्राओं को बांटे मुफ्त टैबलेट, 25 लाख नए युवाओं को लाभान्वित करने का लक्ष्य

(जीएनएस)।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपराधियों के लिए कठोर दिल बुलडोजर बाबा के नाम से प्रसिद्ध है वही छठ के पावन पर्व पर युवाओं के लिए खोला अपने कोमल दिल का पिटारा आपको बताते चलें कि लखनऊ के बसंत कुंज स्थित राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के अगले चरण का शुभारंभ किया जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर आयोजित



कार्यक्रम में लखनऊ, हरदोई, सीतापुर और उन्नाव के करीब 300 शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थी शामिल हुए योगी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 में 25 लाख अतिरिक्त युवाओं को टैबलेट देने का लक्ष्य रखा है। योजना के नए चरण के लिए 2,374.60 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है अब तक करीब 60 लाख युवाओं को स्मार्टफोन और टैबलेट मिल चुके हैं। स्मार्टफोन और टैबलेट पाने पर आई युवाओं के चेहरे पर मुस्कान इसी के साथ नया लक्ष्य पूरा होने पर लाभार्थियों की संख्या 85 लाख तक पहुंच जाएगी इस कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक भी मौजूद रहे।

# बांगरमऊ में सपा जिलाध्यक्ष जय चन्द विमल का ऐतिहासिक स्वागत, उमड़ा सपाइयों का जनसैलाब; फूल-मालाओं से हुआ जोरदार अभिनंदन

***संजीव त्रिवेदी 'एडवोकेट' के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकताओं ने किया भव्य स्वागत, समाजवादी नारों से गूंज उठा नानामऊ तिराहा, संगठन की मजबूती का लिया संकल्प***

(जीएनएस)।



बांगरमऊ, उन्नाव। समाजवादी पार्टी के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष जय चन्द विमल के बांगरमऊ नगर में प्रथम आगमन पर समाजवादी कार्यकताओं ने उत्साह, उमंग और जोश के साथ उनका भव्य स्वागत एवं जोरदार अभिनंदन किया। नगर के नानामऊ तिराहे पर आयोजित स्वागत कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में जुटे समाजवादी पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने फूल-मालाओं से जिलाध्यक्ष का स्वागत कर उन्हें अपनी एकजुटता और संगठनात्मक ताकत का एहसास कराया। स्वागत के दौरान पूरा क्षेत्र समाजवादी नारों से गूंज उठा और कार्यकताओं का उत्साह देखते ही बन रहा था।

कार्यक्रम का नेतृत्व समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं समाजवादी अधिवक्ता सभा के संजीव त्रिवेदी 'एडवोकेट' ने किया। उनके नेतृत्व में बड़ी संख्या में पहुंचे पार्टी कार्यकताओं ने जिलाध्यक्ष जय चन्द विमल का गर्मजोशी के साथ अभिनंदन किया। कार्यकताओं ने फूल-मालाएं पहनाकर उनका स्वागत किया और पार्टी संगठन को नई ऊर्जा, मजबूती एवं सक्रियता के साथ आगे बढ़ाने का भरोसा जताया। प्रथम आगमन पर मिले इस जोरदार स्वागत से कार्यक्रम स्थल पर उत्सव जैसा माहौल नजर आया।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष जय चन्द विमल के स्वागत में उमड़े कार्यकताओं ने अपनी सक्रिय भागीदारी के माध्यम से यह संदेश देने का प्रयास किया कि बांगरमऊ क्षेत्र में समाजवादी पार्टी का संगठन पूरी मजबूती के साथ सक्रिय है। कार्यक्रम में मौजूद कार्यकताओं के चेहरों पर उत्साह और जोश साफ दिखाई दे रहा था। नानामऊ तिराहे पर जुटे सपाइयों ने पार्टी के पक्ष में नारे लगाते हुए अपने नेता का अभिनंदन किया।

स्वागत समारोह के दौरान संगठन की मजबूती और पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया। कार्यकताओं ने कहा कि समाजवादी पार्टी की नीतियों, सिद्धांतों और जनहित से जुड़े मुद्दों को गांव-गांव, गली-गली तक पहुंचाने के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा। संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने, नए लोगों को पार्टी से जोड़ने और कार्यकताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प भी व्यक्त किया गया।

कार्यक्रम में संजीव त्रिवेदी 'एडवोकेट' के नेतृत्व में कार्यकताओं की बड़ी मौजूदगी ने स्वागत समारोह को खास बना दिया। पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों से लेकर स्थानीय कार्यकताओं तक सभी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। जिलाध्यक्ष के प्रथम आगमन पर जिस तरह कार्यकताओं ने एकजुट होकर उनका स्वागत किया, उससे बांगरमऊ में समाजवादी पार्टी के प्रति कार्यकताओं की सक्रियता और संगठनात्मक जुड़ाव की तस्वीर सामने आई।

इस भव्य स्वागत कार्यक्रम में समाजवादी अधिवक्ता सभा के सचिव काशिफ अंसारी, विधानसभा अध्यक्ष सुरेश कुशवाहा, नगर अध्यक्ष मेराज खान, फारूक खान, राजू मिश्रा, तारिक अंसारी, मनोज बाजपेयी, रणवीर यादव, अनूप कुशवाहा, हरिश्चंद्र कुशवाहा, अमन बाजपेयी सहित सैकड़ों की संख्या में समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के समापन पर कार्यकताओं ने संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा को आम जनता तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करने का संकल्प दोहराया।

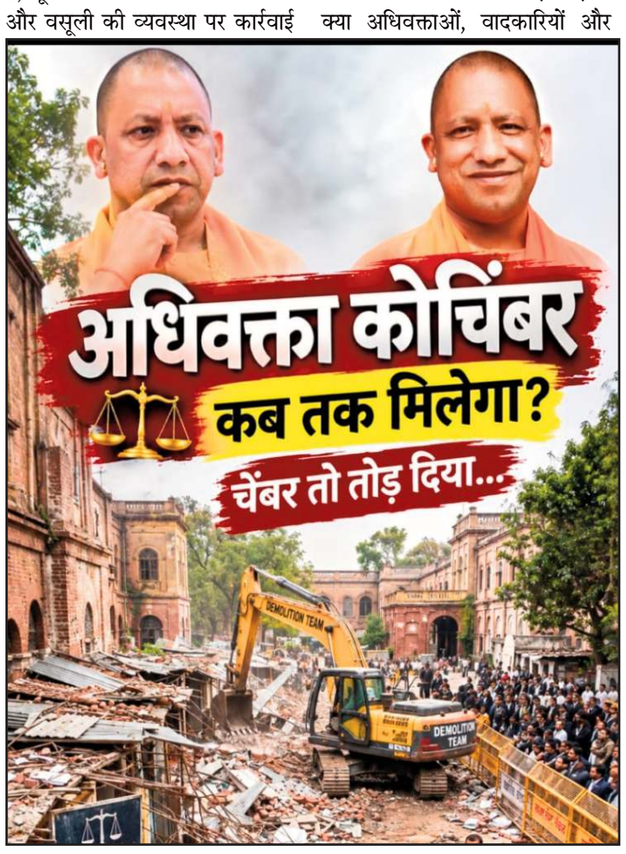
*कुल मिलाकर, सपा जिलाध्यक्ष जय चन्द विमल का बांगरमऊ में प्रथम आगमन कार्यकताओं के उत्साह और भव्य स्वागत के कारण खासा चर्चा का विषय बना। नानामऊ तिराहे पर उमड़ी सपाइयों की भीड़ ने पार्टी के स्थानीय संगठन की सक्रियता, आपसी एकजुटता और नेतृत्व के प्रति कार्यकताओं के उत्साह को प्रभावशाली ढंग से प्रदर्शित किया।*

# अधिवक्ता जाएं तो जाएं कहां? चेंबर तोड़ दिए, अब तक वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं!

**कैसरबाग सिविल कोर्ट से लेकर पुराने हाईकोर्ट तक पार्किंग व्यवस्था पर सवाल, अधिवक्ताओं के चेंबर तोड़ने के बाद सरकार की चुप्पी पर उठ रहे सवाल**

(जीएनएस)।

लखनऊ। न्याय व्यवस्था का मजबूत स्तंभ माने जाने वाले अधिवक्ता आज खुद अपने बैठने और काम करने के लिए एक उचित स्थान की तलाश में हैं। जिन अधिवक्ताओं के चेंबर तोड़ दिए गए, उनके लिए अब तक सरकार और प्रशासन की ओर से पर्याप्त वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं की गई? आखिर अधिवक्ता जाएं तो जाएं कहां? लखनऊ में अधिवक्ताओं के चेंबर हटाए जाने और उनके पुनर्वास का मुद्दा लगातार सवाल खड़े कर रहा है। प्रशासन की ओर से कथित अवैध निर्माण के नाम पर अधिवक्ताओं के चेंबर तोड़ने की कार्रवाई की गई, लेकिन सवाल यह है कि कार्रवाई के बाद प्रभावित अधिवक्ताओं के लिए नए चेंबर उपलब्ध कराने की कोई ठोस योजना सामने आई है या नहीं अवैध चेंबर पर कार्रवाई, लेकिन अवैध पार्किंग पर प्रशासन मौन क्यों? सबसे बड़ा सवाल कैसरबाग सिविल कोर्ट से लेकर पुराने हाईकोर्ट तक की पार्किंग व्यवस्था को लेकर उठ रहा है। अधिवक्ताओं और स्थानीय लोगों के बीच यह चर्चा है कि सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर मोटरसाइकिल पार्किंग के नाम पर वसूली की जा रही यदि ये पार्किंग स्थल वैध हैं तो इनके लाइसेंस, नगर निगम की अनुमति और निर्धारित नियमों की जानकारी सार्वजनिक क्यों नहीं की जाती? और यदि ये अवैध हैं तो इनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं हो रही? एक तरफ अधिवक्ताओं के चेंबर अवैध निर्माण बताकर तोड़े जाते हैं, दूसरी तरफ कथित अवैध पार्किंग और वसूली की व्यवस्था पर कार्रवाई




को लेकर सवाल बने हुए हैं। क्या कानून और प्रशासनिक नियम सभी के लिए समान रूप से लागू नहीं होने चाहिए? पार्किंग की समस्या का स्थायी समाधान कब तक होगा अदालत परिसर के आसपास पार्किंग की समस्या कोई नई नहीं है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या सरकार और प्रशासन के पास आधुनिक मल्टीलेवल पार्किंग बनाने की कोई ठोस योजना है क्या अवैध पार्किंग हटाकर व्यवस्थित पार्किंग स्थल विकसित किए जाएंगे? क्या अधिवक्ताओं, वादकारियों और आम नागरिकों के लिए अलग-अलग पार्किंग सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी योगी सरकार से अधिवक्ताओं के सीधे सवाल है जिन अधिवक्ताओं के चेंबर तोड़े गए, उन्हें नए चेंबर कब तक उपलब्ध कराए जाएंगे क्या प्रभावित अधिवक्ताओं के पुनर्वास की कोई समयसीमा निर्धारित की गई है? कथित अवैध मोटरसाइकिल पार्किंग और पार्किंग शुल्क की वसूली की जांच कब होगी? क्या प्रशासन पार्किंग स्थलों के लाइसेंस और नगर निगम की अनुमति सार्वजनिक करेगा क्या कैसरबाग सिविल कोर्ट से पुराने हाईकोर्ट तक मल्टीलेवल पार्किंग निर्माण की कोई योजना है? न्याय व्यवस्था का संतुलन कैसे कायम होगा? न्यायालय केवल भवनों अदालतों से नहीं चलता, बल्कि वहां आने वाले अधिवक्ताओं, वादकारियों और न्यायिक प्रक्रिया से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति की सुविधाओं से भी चलता है। अधिवक्ताओं को बैठने, फाइलें रखने, मुवक्किलों से बातचीत करने और अपने पेशे का संचालन करने के लिए उचित स्थान मिलना आवश्यक है। यदि चेंबर हटाए जाते हैं तो उनके स्थान पर वैकल्पिक व्यवस्था करना भी प्रशासन की जिम्मेदारी का महत्वपूर्ण हिस्सा होना चाहिए। अब सबसे बड़ा सवाल उत्तर प्रदेश की योगी सरकार और संबंधित प्रशासन से है क्या अधिवक्ताओं को उनके चेंबर वापस मिलेंगे? क्या कथित अवैध पार्किंग और वसूली पर कार्रवाई होगी? क्या आधुनिक मल्टीलेवल पार्किंग का निर्माण कराया जाएगा? या फिर अधिवक्ता अपने अधिकारों और सुविधाओं के लिए इसी तरह संघर्ष करते रहेंगे क्योंकि सवाल सिर्फ चेंबर टूटने का नहीं है, सवाल न्याय व्यवस्था से जुड़े उस वर्ग के सम्मान, सुविधा और भविष्य का भी है, जो आम नागरिक को न्याय दिलाने के लिए अदालत में खड़ा होता है।

# बीसलपुर में 17 नवंबर को मनेगा बाबा खाटू श्याम का भव्य जन्मोत्सव

**तारा वेंकट हॉल में सजेगा बाबा का दरबार, खाटू धाम, वृंदावन, दिल्ली और अयोध्या के प्रसिद्ध भजन गायक करेंगे गुणगान**

(जीएनएस)।



पीलीभीत। बीसलपुर में बाबा खाटू श्याम का भव्य जन्मोत्सव 17 नवंबर को धूमधाम और भक्तिमय माहौल में मनाया जाएगा। इस अवसर पर तारा वेंकट हॉल में विशाल धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। आयोजन को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। कार्यक्रम का संयोजन 130 विधानसभा बीसलपुर क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के संभावित प्रत्याशी डॉ. रत्नेश गंगवार कर रहे हैं।

जन्मोत्सव कार्यक्रम में देश के विभिन्न शहरों से प्रसिद्ध भजन गायक पहुंचकर बाबा श्याम का गुणगान करेंगे। इनमें खाटू धाम से रजनी राजस्थानी, वृंदावन से अंजलि श्याम प्रिया, दिल्ली से आकाश भानु और अयोध्या से सुजीत पांडेय प्रमुख रूप से शामिल होंगे। भजन गायकों की प्रस्तुतियों से पूरा परिसर भक्तिमय होगा और श्रद्धालु बाबा श्याम के भजनों पर झूमते नजर आएंगे। आयोजकों के अनुसार जन्मोत्सव पर भजन-कीर्तन, संकीर्तन और बाबा के जयकारों के बीच भव्य दरबार सजाया जाएगा। श्रद्धालु बाबा के दरबार में पहुंचकर अपनी अर्जी लगाएंगे और सुख-समृद्धि की कामना करेंगे। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

आयोजकों ने क्षेत्र के धर्मप्रेमियों से 17 नवंबर को तारा वेंकट हॉल पहुंचकर बाबा खाटू श्याम के जन्मोत्सव में शामिल होने की अपील की है।

# रघुरामपुर पुलिया के पास दो कारों में आमने-सामने जोरदार भिड़ंत, दो महिलाओं समेत एक दर्जन घायल, मचा हड़कंप




(जीएनएस)।

बांगरमऊ / उन्नाव -

बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के हरदोई-उन्नाव मार्ग पर रघुरामपुर पुलिया के पास रविवार को दो कारों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों कारों के परखच्चे उड़ गए और मौके पर चीख-पुकार मच गई। हादसे में दो महिलाओं और एक किशोर समेत करीब एक दर्जन लोग घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मार्ग पर लंबा जाम लग गया और अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

चौथी कार्यक्रम में जा रहे थे, हुआ हादसा

जानकारी के अनुसार, पहली कार में सवार लोग गंजमुरादाबाद से फतेहपुर खालसा गांव में आयोजित चौथी कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे।

कार में गंजमुरादाबाद निवासी खालिद (35) और बबलू (45) पुत्रगण मिज्जन सवार थे। उनके साथ गुफरान (23) पुत्र अतीक निवासी बिलग्राम तथा तारिक (37) पुत्र स्व. मुस्ताक निवासी सेता, थाना फतेहपुर चौरासी भी कार में मौजूद थे।

रघुरामपुर पुलिया के पास पहुंचते ही सामने से आ रही दूसरी कार से उनकी कार की आमने-सामने टक्कर हो गई।

दूसरी कार में थे सात लोग

वहीं दूसरी कार में सवार दो महिलाओं, एक किशोर समेत कुल सात लोग घायल हो गए। बताया जा रहा है कि ये सभी लोग बांगरमऊ से मलावां के प्रमी गांव जा रहे थे। टक्कर के बाद कार में सवार लोग कार के अंदर ही फंस गए, जिन्हें राहगीरों और ग्रामीणों ने बड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला।

दो अस्पतालों में भर्ती कराए गए घायल

हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और पुलिस को सूचना दी। घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया।

पहली कार में घायल चारों लोगों को सीएचसी बांगरमऊ में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने सभी की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

वहीं दूसरी कार के सात घायलों को सीएचसी गंजमुरादाबाद में भर्ती कराया गया। वहां उपचार के बाद पांच लोगों की हालत को देखते हुए उन्हें भी जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

मौके पर मचा हड़कंप

दोनों कारों की टक्कर में करीब एक दर्जन लोगों के घायल होने की सूचना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त कारों को सड़क से हटवाकर यातायात सुचारू कराया।

फिलहाल पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। प्रथम दृष्टया हादसा तेज रफ्तार और गलत साइड से आने के कारण बताया जा रहा है।

# आस्था के पर्व से जुड़ी है लोक मंगल की भावना- इं. अरविन्द पाल





**गाजे बाजे के साथ अस्ताचलगामी सूर्य को व्रती महिलाओं ने दिया अर्घ्य मथौली जलाशय पर आरती में उमड़ी आस्था**

बनकटी (बस्ती)। आस्था के महापर्व छठ मईया की पूजा और भगवान भास्कर के अस्ताचलगामी स्वरूप को बनकटी क्षेत्र की सैकड़ों व्रती महिलाओं ने अपने अपने क्षेत्र के तालाबों व पोखरों पर एकत्र होकर अर्घ्य दिया। भाजपा नेता इं. अरविंद पाल द्वारा चंद्रनगर वार्ड मथौली पोखरे पर आयोजित छठ पूजा में पहुंचे भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र व पूर्व जिलाध्यक्ष व प्रदेश कार्य समिति सदस्य पवन कसौधन, अजय सिंह गौतम, विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष गोपेश पाल, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि रामायण रघुनाथ सिंह, ब्लाक प्रमुख अभिषेक कुमार, अजय सिंह गौतम आदि आरती में शामिल हुए।रविवार को बनकटी नगर पंचायत के चन्द्रनगर, गांधीनगर, अम्बेडकर नगर, कृष्णा नगर व शंकरनगर तथा पटेलनगर वार्डों के छठ घाटों पर मेले जैसा माहौल रहा, जहाँ व्रती महिलाओं की भारी भीड़ रही। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी चंद्रनगर वार्ड (मथौली) स्थित पोखरे पर नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि व वरिष्ठ भाजपा नेता इं. अरविन्द पाल द्वारा छठ पर्व आयोजित किया गया। जहां सैकड़ों श्रद्धालुओं की मौजूदगी में छठ पर्व को बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत लालगंज पुलिस टीम के साथ छठघाटों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। मथौली छठघाट पर




बना सेल्फी प्वाइंट आकर्षण का केंद्र रहा, जहां शाम करीब 6 बजे मथौली छठघाट पर पहुंचे भाजपा जिलाध्यक्ष ने सेल्फी लेकर छठघाट पर बने सेल्फी प्वाइंट व आयोजन की खूब सराहना की। मथौली घाट पर डूबते सूर्य को अर्घ्य देने क्षेत्र के बनकटी, सजहरा, देईसांड़, जोगियां, कोइलपुरवा, टिकवाजोत, धुसनाखोर, बरगौढ़ी, दतुआखोर व फैलवा सहित दर्जनों गांव से गाजे बाजे के साथ आई सैकड़ो व्रती महिलाओं ने डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया।

इस अवसर पर विवेकानंद शुक्ल, रविचन्द्र पाण्डेय, सत्येन्द्र सिंह भोलू, लाल सिंह, बीना पाल, डॉ. अरुणा पाल, सर्वेश, रमेश अग्रहरी, मोहम्मद वसीम, सुभाष शर्मा, रमेश अग्रहरी, बाबूराम चौधरी, अतुल पाल, दिनेश चौधरी, राधेश्याम पाण्डेय, अमरेश पाल, आशुतोष शुक्ल, साधू शरण, परमात्मा यादव, शशि गोंड़, अनिल पाल, सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

**सांसद रवि किशन शुक्ल के गीतों पर झूमे श्रद्धालु**

गोरखनाथ घाट पर छठ गीतों की प्रस्तुति से भक्तिमय हुआ माहौल

गोरखपुर। छठ महापर्व के अवसर पर रापी नदी के तट स्थित गोरखनाथ घाट पर सांसद रवि किशन शुक्ल ने अपने छठ गीतों की प्रस्तुति से समां बांध दिया। उनके गीतों को सुनकर घाट पर मौजूद श्रद्धालु झूम उठे और पूरा वातावरण छठी मइया की भक्ति में सराबोर हो गया।

सांसद रवि किशन शुक्ल ने छठी मइया की महिमा से जुड़े पारंपरिक और भक्तिमय गीत प्रस्तुत किए। उनकी प्रस्तुति पर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। घाट पर मौजूद लोगों ने तालियों के साथ उनका उत्साहवर्धन किया।रापी नदी के तट पर एक ओर व्रती महिलाएं भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने की तैयारियों में जुटी थीं, वहीं दूसरी ओर सांसद रवि किशन शुक्ल के गीतों ने छठ महापर्व की रौनक और बढ़ा दी। उनकी गायकी पर श्रद्धालु झूमते नजर आए। गोरखनाथ घाट पर भक्ति और संगीत का अनूठा संगम देखने को

# गोरखपुर में छठ महापर्व पर डूबते सूर्य को व्रतियों ने दिया अर्घ्य, घाटों पर उमड़ा आस्था का सैलाब

**36 घंटे के निर्जला व्रत के साथ छठी मैया की आराधना, कल उगते सूर्य को अर्घ्य देकर होगा महापर्व का समापन**

गोरखपुर। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के तीसरे दिन रविवार को गोरखपुर में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। छठ व्रती महिलाओं और पुरुषों ने विभिन्न नदी, तालाबों और जलाशयों में खड़े होकर अस्ताचलगामी भगवान सूर्य को संध्या अर्घ्य अर्पित किया। गोरखपुर शाम लगभग 5:07 बजे सूर्यास्त हुआ तो दिल्ली में 5:28 के समय व्रतियों ने विधि-विधान से सूर्यदेव की पूजा-अर्चना की।शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक छठ घाटों पर आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। घाटों पर छठी मैया के पारंपरिक गीत गूंजते रहे। व्रती महिलाओं ने बांस के सूप और दउरी में ठेकुआ, मौसमी फल, गन्ना, नारियल सहित विभिन्न पूजन सामग्री सजाकर भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।छठ महापर्व का यह तीसरा दिन सबसे महत्वपूर्ण और कठिन चरणों में से एक माना जाता है। व्रती लगभग 36 घंटे का निर्जला व्रत रखकर पूरी श्रद्धा और निष्ठा के साथ सूर्यदेव एवं छठी मैया की आराधना करते हैं। इस दौरान संतान की दीर्घायु, परिवार की खुशहाली और सुख-समृद्धि की मंगलकामना की जाती है।अब सोमवार की सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व का विधिवत समापन होगा। इसके साथ ही व्रती महिलाएं अपना निर्जला व्रत पारण कर संपन्न करेंगी।

